संख्या 15011/36/2022 न्याय (एयू) /ई 6889
भारत सरकार,
विधि और न्याय मंत्रालय,
न्याय विभाग

विषय: न्याय विभाग से संबंधित नवंबर, 2023 माह का मासिक सार।

न्याय विभाग की नवंबर, 2023 माह से संबंधित महत्वपूर्ण गतिविधियां निम्नलिखित हैं:

1. **<u>26 नवंबर, 2023 को संविधान दिवस समारोह:</u>**

क) संविधान दिवस 2023 भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय में मनाया गया जिसके दौरान भारत के महामहिम राष्ट्रपति मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय के परिसर में भारत के महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश और माननीय विधि और न्यायराज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की उपस्थिति में भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. बी आर अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया।भारत के महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय के ई एस सी आर (इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट) पोर्टल का भी उद्घाटन किया गया जिसे ई कोर्ट मिशन मोड परियोजना के तहत विकसित किया गया था। इस पोर्टल में जनवरी, 1950 तक पारित किए गए कुल 36,068 निर्णयों में से 21,388 निर्णयों का हिंदी अनुवाद शामिल है। सभी निर्णयों का अंग्रेजी पाठ इस पोर्टल के माध्यम से पहले से ही न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, वादकारियों और आम जनता के लिए निःशुल्क उपलब्ध है।

ख) न्याय विभाग के अधिकारियों ने उच्चतम न्यायालय में पूर्ण दिवसीय समारोहके विभिन्न सत्रों में उपस्थिति दर्ज की। इन सत्रों में "न्यायपालिका के लिए मानव संसाधन और अवसंरचना के बजट प्रावधान" पर और "संविधानवाद पर डॉक्टर अंबेडकर के विचारों पर प्रतिबिंब" पर सत्र शामिल थे। "ई कोर्ट फेस 3 परियोजना पर विशेष जोर देते हुए न्यायिक प्रशासन में प्रौद्योगिकी के प्रयोग के संस्थांकरण" नामक सत्र में भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश और अन्य विशिष्ट न्यायाधीशों के समक्ष "ई कोर्ट फेस -3 बजटीय पहलू" पर भी प्रस्तुतीकरण दिया गया था।

ग) इस दिन के आरंभ में भारत के संविधान की प्रस्तावना का पाठन न्याय विभाग में किया गया जिसमें सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया और भारत के संविधान में दिए गए मूल्यों, विचारों और सिद्धांतों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया ।

2. **<u>ई-कोर्ट मिशन मोड परियोजना फेज-।।:</u>**

क) **राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड**- दिनांक 01-11-2023 की स्थिति के अनुसार, न्यायालयों से संबंधित 24.35 करोड़ से अधिक मामलों के संबंध में केस स्थिति सूचना और 23.80 करोड़ से अधिक आदेशों/निर्णयों को देखा जा सकता है।

ख) **वर्चुअल कोर्ट**: 25 वर्चुअल कोर्टों द्वारा 3.95 करोड़ से अधिक मामलों में सुनवाई की गई और 44 लाख से अधिक मामलों में, दिनांक 31-10-2023 तक 466.32 करोड़ रुपए से अधिक का ऑनलाइन जुर्माना वसूल किया गया।

ग) **जस्टिस ऐप** : न्यायिक अधिकारियों के लिए इस मोबाइल ऐप को दिनांक 31-10-2023 तक 19,405 व्यक्तियों द्वारा डाउनलोड किया गया।

3. टेली लॉः वंचितों तक पहुंच

क) 30 नवंबर, 2023 तक 60,23,222 हिताधिकारियों कों कानूनी सलाह प्रदान की गई जिसमें नवंबर, 2023 के दौरान के 3,63,636 हिताधिकारी भी शामिल हैं।

ख) इस माह के दौरान ग्रामीण स्तर के उद्यमी/पैरा लीगल वॉलिंटियर वीएलई/पीएलवी),राज्य समन्वयकों और पैनल वकीलों द्वारा 22 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र के 86 जिलों में आयोजित 109 जागरूकता सत्रों /कैंपों में 1,930 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

ग) वीएलई और राज्य समन्वयकों जैसे टेली लॉ क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के अनुभव साझा करने के लिए टेली लॉ कार्यक्रम के सेल्फी ड्राइव अभियान के अंतर्गत, 30 नवंबर, 2023 तक 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से कुल 217 सेल्फी /वीडियो टेली लॉ सोशल मीडिया साइटों (फेसबुक और ट्विटर) पर अपलोड किए गए थे।

4. न्यायबंधु (प्रो बोनो विधिक) सेवा कार्यक्रम:

इस माह के दौरान, 75 नए प्रो बोनो वकीलों ने न्याय बंधु मोबाइल एप्लीकेशन/वेब पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण किया। न्याय बंधु पोर्टल के तहत कुल 10629 वकील (पुरुष-8901,महिला-1726,ट्रांसजेंडर-02) पंजीकृत हो चुके हैं।

5. कानूनी साक्षरता और कानूनी जागरूकता कार्यक्रमः

क) नेशनल लॉ स्कूल ऑफ़ इंडिया विश्वविद्यालय (एनएलएसआईयू),बेंगलुरु, कर्नाटक ने 40

टीमों के लिए 26 नवंबर, को द्वितीय कानूनी सहायता प्रतियोगिता आयोजित की और दिनांक 25-11-2023 को 100 प्रतिभागियों के साथ पॉलिसी हैकथॉन (यह एक समाधान-आधारित व्यावसायिक प्रतियोगिता है जो कई व्यवसायों के सामने आने वाली समस्याओं को शीघ्रता से हल करने के सामान्य लक्ष्य के साथ टीमों को एक साथ लाती है) भी आयोजित किया।

ख) अब्दुल कादिर साहब राज्य ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान,मैसूर,कर्नाटक ने जिला संसाधन केंद्र, मैंगलूर में 16 नवंबर, 2023 को ग्राम पंचायतों की अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की 27 महिला अध्यक्षों और उपाध्यक्षों के लिए क्षमता सृजन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

ग) सेंटर फॉर कम्युनिटी इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट कंसलटेंट सोसाइटी,जयपुर, राजस्थान ने महिलाओं, बच्चों और उम्र दराज व्यक्तियों के अधिकारों पर पृथक ब्लॉक और जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया तथा सिरोही जिले में 68 स्वयंसेवकों तक पहुंच गया। सिरोही जिले के बसंतगढ़ और पिंडवाड़ा ब्लॉक में 24 समुदाय सदस्यों के साथ एक धानी बैठक भी आयोजित की।

घ) संविधान दिवस (दिनांक 26-11-2023) के अवसर पर, ग्रामीण विकास राज्य संस्थान (एस आई आर डी), यशवंतराव चवन विकास प्रशासन अकादमी,पुणे महाराष्ट्र ने 76 जिला पंचायत पदाधिकारियों, 55 चुने हुए प्रतिनिधियों और 70 विधि दूतों के साथ संविधान प्रस्तावना का पाठन किया।

6. <u>राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा)</u>:

क) **09 नवंबर, 2023 को विधिक सेवा दिवस-** नालसा द्वारा 9 नवंबर,2023 को कानूनी सेवा दिवस मनाया गया था। इस अवसर पर,भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश और प्रमुख संरक्षक, नालसा ने "इंटरएक्टिव वॉइस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस) प्रौद्योगिकी के माध्यम से नालसा की अपग्रेड राष्ट्रीय टोल फ्री हेल्पलाइन संख्या 15100" और राष्ट्रीय महिला आयोग (एन सी डवल्यू) की मोबाइल एप्लीकेशन "हर लीगल गाइड" का विमोचन किया।

ख) **कानूनी सहायता तक पहुंचः ग्लोबल साउथ में न्याय तक पहुंच का सशक्तिकरण**-

i) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नेइंटरनेशनल लीगल फाउंडेशन (आई एल एफ),

यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी)और यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रन्स फंड (यू एन आई सी ई एफ) के साथ-साथ न्याय विभाग,भारत सरकार की सहायता से कानूनी सहायता तक पहुंचः न्याय तक पहुंच के सशक्तिकरण विषय पर प्रथम क्षेत्रीय सम्मेलन नवंबर 27और 28 2023 को नई दिल्ली स्थित ग्लोबल साउथ में आयोजित किया। सम्मेलन के प्रतिभागियों में ग्लोबल साउथ के 40 अफ्रीका-एशिया-प्रशांत देशों के प्रतिभागी शामिल थे। इसमें माननीय मुख्य न्यायाधीश,विधि मंत्री, राष्ट्रीय कानूनी सहायता संस्थानों/प्राधिकरणों/सेवाओं के प्रमुख और अकादमी/सिविल सोसाइटी के विशेषज्ञ भी शामिल हैं।

दो दिवस के दौरान, न्याय तक पहुंच और कानूनी सहायता तक पहुंच पर प्रतिभागी देशों की विशिष्ट जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने वाले और रणनीतिक विचार विमर्श करने के लिए विविध विषयों पर कुल 16 सत्र संचालित किए गए।

सम्मेलन के दौरान संधारणीय विकास लक्ष्य के रूप में न्याय तक पहुंच पर मिनिस्ट्रियल राउंड टेबल और चीफ जस्टिस राउंड टेबल का भी आयोजन किया गया और उसके उपरांत एक निष्कर्ष दस्तावेज भी जारी किया गया।

सम्मेलन में ग्लोबल साउथ देशों के लिए न्याय तक सार्वभौमिक पहुंच और "न्याय पाने में सुगमता" प्रदान करने में एक मॉडल के रूप में फ्रेमवर्क दर्शाया गया।

****